an>

Title:Regarding paddy purchased from the farmers in Bihar.

श्रीमती रंजीत रंजन (सुपौल) : उपाध्यक्ष महोदय, धान की विलम्बता के बारे में सदन में कहना चाहती हूं...(व्यवधान) अभी तक धान की खरीदारी बिहार में नहीं हुई है। पिछले कई सालों से जब भी धान की खरीदारी का वक्त आता है...(व्यवधान)

HON. DEPUTY SPEAKER: Some other matter you can raise.

...(*Interruptions*)

श्रीमती रंजीत रंजन: हर बार किसानों का धान पड़ा रह जाता है और वक्त पर खरीदारी न होने के कारण किसानों की हालत दिनों-दिन दयनीय होती चली जा रही है...(व्यवधान) इस बार जो सरकार पक्स के माध्यम से धान को खरीदती है...(व्यवधान) लेकिन अभी तक बिहार में किसानों का धान नहीं खरीदा गया है। एमएसपी 1410 रुपये तय की गयी है। पिछली बार यह 1360 रुपये थी, उस पर 300 रुपये का बोनस बिहार सरकार ने दिया था...(व्यवधान) इस बार 1410 रुपये एमएसपी तय हुआ है और उस पर 300 रुपये बोनस प्रदेश सरकार ने अभी ओरली बोला है...(व्यवधान) लेकिन सबसे बड़ी बात है कि हमेशा बिचौलियों और दलाल के कारण वक्त पर किसानों का धान नहीं खरीदा जाता है। इस बार मौसम की मार के कारण वहां सुखाड़ है। तकरीबन सभी बिहार के डिस्ट्रिक्ट्स में सुखाड़ है। धान न के बराबर हुआ है। उसके बावजूद अभी तक धान का उठाव नहीं हुआ है। एक तो सुखाड़ के कारण वहां किसानों की दयनीय स्थिति है और दूसरा कुल 1410 रुपये मात्र मूल्य निर्धारित किया गया है, कहा गया है कि 'ए' ग्रेड को हम 1450 रुपये देंगे। 'ए' ग्रेड का कभी भी किसान का दाम गवर्नमैन्ट नहीं लेती है, क्योंकि बिचौलिये और दलाल उसे 'ए' ग्रेड का बनने ही नहीं देते हैं। 80 प्रतिशत किसान 600, 800 और 900 रुपये में बिचौलियों द्वारा मार्केट में जाकर अपना धान बेचते हैं और वही जो दस परसैन्ट व्यवसायी वर्ग है, उन्हीं से गवर्नमैन्ट उनका धान लेती है, फिर किसानों को किस तरह से फायदा होगा।

मैं सरकार से कहना चाहूंगी कि बिचौलियों को किसी तरह से कम करके दलाली को खत्म करके सही वक्त पर सरकार किसानों का धान उठा सके और 1410 रुपये नहीं, बल्कि सरकार को इस बार सुखाड़ के कारण किसानों की जो दयनीय हालत हुई है, उनका एमएसपी कम से कम 1800 रुपये होना चाहिए।

दूसरी बात मैं कहना चाहती हूं कि इस बार बिहार में जो सुखाड़ है, एक विशेÂा पैकेज किसानों के लिए बिहार को भारत सरकार की तरफ से देना चाहिए। धन्यवाद।

HON. DEPUTY SPEAKER: Hon. Member, you can raise any other matter but not the State matters.

...(*Interruptions*)

HON. DEPUTY SPEAKER: Do not raise any State matters. You can raise any other matter. You will be allowed.

...(*Interruptions*)

HON. DEPUTY SPEAKER: It cannot be taken up in this House. You can raise any matter related to your constituency. I am permitting it.

...(*Interruptions*)